जल जाए जिहवा पापिनी राम के बिना

राम बिना ॥ नर ऐसे जैसे, अश्व लगाम बिना,,,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥
*राम के बिना रे, राम के बिना,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥

क्षत्रिय आन बिना ॥, विप्र ज्ञान बिना, घर संतान बिना,
देह प्रान बिना, हाथ दान बिना, भोजन मान बिना ॥
हम सब का बेकार है जीना ॥, रघुवर नाम बिना,,,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥

पंछी पंख बिना ॥, बिच्छू डंक बिना, आरति शंख बिना,
गणित अंक बिना, कमल पंक बिना, निशा मयंक बिना ॥
ब्यर्थ भ्रमण चिंतन भाषण सब ॥, हरि के नाम बिना,,,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥

प्रिया कंत बिना ॥, हस्ती दंत बिना, आदि अंत बिना,
वेद मंत्र बिना, मठ महंत बिना, कुटिया संत बिना ॥
भजन बिना नर ऐसे जैसे ॥, अश्व लगाम बिना,,,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥

पुष्प बाग बिना ॥, संत त्याग बिना, गाना राग बिना,
शीश नमन बिना, नयन दरस बिना, नारी सुहाग बिना ॥
संत कहे ये जग है सूना ॥, आत्म ज्ञान बिना,,,
जल जाए जिहवा पापिनी, राम के बिना ॥
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19797/title/jal-jaye-jihva-papini-ram-ke-bina

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |